12.20 hrs.

KHUDA BAKSH ORIENTAL PUBLIC LIBRARY BILL*

शिक्षा मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री शेर सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि पटना स्थित खुदा बक्श ओरियन्टल पब्लिक लाइब्रेरी को राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित करने और उसके प्रशासन तथा कतिपय अन्य संसक्त विषयों का उपबन्ध करने वाले विधेयक को पेश करने की अनुमति दी जाय ।

श्री शिवचन्द्र झा (मधुबनी) : अध्यक्ष महोदय, नियम 72 के मातहत मेरी व्यवस्था-सम्बन्धी आपत्ति है । यह जो पटना की खुदा बक्श ओरियन्टल पब्लिक लाइब्रेरी है उस की सरकार ने आजादी मिलने के बाद पिछले बीस सालों से उपेक्षा की है । यह रिप वान विंकल को नींद में सोई हुई थी । अब उस की नींद टूटी है । इस का मैं स्वागत करता हूं, लेकिन जिस रूप में यह विधेयक आया है, उस में कुछ आपत्तिजनक बातें हैं । उन सबों पर तो मैं इस समय प्रकाश नहीं डालूंगा, लेकिन जो क्लाज 5 (सी) में बोर्ड बनाने की बात है उस के सम्बन्ध में कहना चाहता हूं । बोर्ड बनाने की व्यवस्था के लिये उस में खुदा बक्श के परिवार के एक सदस्य को नामिनेट किया जायेगा । खुदा बक्श साहब की जो देन है उस के लिये बिहार के लोग ही शुक्रगुजार नहीं हैं, सारे हिन्दुस्तान के लोग शुक्रगुजार हैं । वे अमर हैं । लेकिन उन के परिवार के एक सदस्य को उस में नामिनेट करने का जो विचार है वह एक सामन्तवादी बात हो जाती है । हम समाजवाद की ओर बढ़ रहे हैं, हमरा आदर्श समाजवाद है । इस आदर्श की पृष्ठभमि में पारिवारिक बात को लाना एक व्यक्तिगत सम्पत्ति को रखने की बात हो जाती है ।

इस लिये मैं चाहूंगा कि इस विधेयक पर फिर से विचार करके एक दूसरे रूप में यहां लाया जाये न कि पारवारिक रूप में । जहां तक दूसरी बातों का प्रश्न है, उन को मैं आगे संशोधन के रूप में रक्खूंगा ।

MR. SPEAKER: The question is....

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : क्या मंत्री महोदय इस का जवाब नहीं देंगे ।

MR. SPEAKER: The question is:

> "That leave be granted to introduce a Bill to declare the Khuda Bakhsh Oriental Public Library at Patna to be an institution of national importance and to provide for its administration and certain other connected matters."

The motion was adopted.

श्री शेर सिंह : मैं विधेयक को पेश करता हूं ।

MOTION OF THANKS ON PRESIDENT'S ADDRESS—*Contd.*

MR. SPEAKER: The House will now resume further discussion on the President's Address. We are very much behind time. Out of 20 hours only 10 hours 45 minutes have been spent and 9 hours 15 minutes still remain. I do not know whether this week we will be able to finish the business. The Business Advisory Committee is meeting today at 3.45 PM and there we shall fix up the programme for this week and next week. In the meanwhile, we should go ahead. I will see the list and find out which parties have spoken. Now, Mr. C. C. Desai.

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur): Sir, yesterday when the Home Minister was making a statement, we pointed out to you that he had used

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, section 2, dated 21-2-68.